तब मयना हिमवंतु अनंदे । पुनि पुनि पारबती पद बंदे ।।
पारबती भल अवसरु जानी । गईं संभु पहिं मातु भवानी ।।
|| Ram Katha 967 – ॐमानस वन्दे मातरम || Mumbai || मोरारी बापू

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 132 | इंदौर, बुधवार 26 नवंबर, 2025 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

● मुगल आक्रांताओं की क्रूरता पर बोले पीएम

वीर साहिबजादों की निडरता को किया नमन

कुरुक्षेत्र, (एजेंसी) मुगल आक्रांताओं को लेकर पीएम मोदी ने कहा हम सब जानते हैं कि मुगलों ने वीर साहिबजादों के साथ भी क्रूरता की सारी हदें पार कर दी थीं। वीर साहिबजादे दीवार में जीवित चिनवाए जाने को तैयार हो गए, लेकिन अपने कर्तव्य और धर्म को नहीं छोड़ा। हमने सिख परंपरा की शिक्षाओं और सीख को राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में शामिल किया है, ताकि सेवा, साहस और सत्य जैसे आदर्श हमारी नई पीढ़ी के चिंतन की नींव बनें। हम वीर साहिबजादों की याद में हर साल 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाते हैं।

गुरु तेग बहादुर ने नहीं छोड़ा धर्म और सत्य का रास्ताः पीएम मोदी

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा क्रूर औरंगजेब ने गुरु तेग बहादुर जी को कैद करने का हुक्म दिया था। लेकिन गुरु साहिब ने स्वयं ही दिल्ली आने की घोषणा कर दी। मुगल शासकों ने उन्हें लालच भी दिया, धमकियां भी दीं, लेकिन गुरु तेग बहादुर जी अपने धर्म और सिद्धांतों पर डटकर खड़े रहे। उन्होंने कोई समझौता नहीं किया।इसके बाद गुरु साहिब का मन तोड़ने के लिए, उन्हें धर्म के मार्ग से भटकाने के लिए, उनके सामने ही उनके तीन प्यारे साथियों भाई दयाला जी, भाई सती दास जी और भाई मति दास जी को बड़ी बेरहमी से शहीद कर दिया गया। भाई मति दास जी को आरे से चीर दिया गया, भाई दयाला जी को खौलते तेल के कड़ाह में डाल दिया गया, भाई सती दास जी को कपास में लपेटकर आग के हवाले कर दिया गय। ये सब गुरु साहिब के सामने हुआ। लेकिन गुरु साहिब टस से मस नहीं हुए। उनका संकल्प अडिग रहा। उन्होंने धर्म के मार्ग को नहीं छोड़ा। अंत में तपस्वी अवस्था में गुरु साहिब ने धर्म की रक्षा के लिए अपना शीश दे दिया। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि यही वह बलिदान है जिसने हिन्द की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी को अमर बना दिया और आने वाली सदियों तक धर्म, संस्कृति और मानवता की रक्षा के लिए प्रेरणा देता रहेगा।

मोहन कैबिनेट के बड़े फैसले

नगरीय निकायों में अध्यक्ष का चुनाव अब 'प्रत्यक्ष' ₹9000 करोड़ के अनुपूरक बजट को मंजूरी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मोहन कैबिनेट ने एक दिसंबर से शुरू होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में रखे जाने वाले करीब 9 हजार करोड़ रुपए के अनुपूरक बजट और विधेयकों को मंजूरी दी है। जिन विधेयकों को मंजूरी दी गई है, उसमें प्रदेश में नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्ष पद का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा कराए जाने संबंधी विधेयक भी शामिल हैं। इसके साथ ही बालाघाट हॉक फोर्स के निरीक्षक आशीष शर्मा के भाई को सब इंस्पेक्टर पद पर नियुक्ति देने और परिजनों को एक करोड़ रुपए की विशेष अनुग्रह राशि देने को भी मंजूरी दी गई है।

नगरीय विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि नक्सल विरोधी अभियान के दौरान पुलिस-नक्सल मुठभेड़ में 19 नवंबर को वीरगति को प्राप्त हुए निरीक्षक (विशेष सशस्त्र बल) आशीष शर्मा, हॉक फोर्स बालाघाट के परिजन को 1 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता की स्वीकृति दी गई है। साथ ही उनके छोटे भाई अंकित शर्मा को जिला पुलिस बल में उप निरीक्षक के पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया है।

नगरीय निकायों के निर्वाचन संबंधी विधेयक को मंजूरी

कैबिनेट ने प्रदेश में नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्ष पद का निर्वाचन प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा कराए जाने संबंधी विधेयक को विधानसभा में प्रस्तुत किए जाने की स्वीकृति दी है।

प्रदेश में वर्ष 1999 से 2014 तक नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्ष पद का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा कराए जाते रहे हैं। वर्ष 2022 में नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्ष पद का चुनाव अप्रत्यक्ष प्रणाली से वार्डों के निर्वाचित पार्षदों के द्वारा कराए गए। महापौर का निर्वाचन प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा कराया जा रहा है।

विधि सलाहकार नियुक्त करने पर चर्चा

कैबिनेट में आज सामान्य प्रशासन विभाग के प्रस्ताव पर लोकायुक्त संगठन में सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय चंद्रदेव शर्मा और सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश हरि शरण यादव को लोकायुक्त संगठन में विधि सलाहकार के पद पर संविदा नियुक्त अवधि बढ़ाए जाने के मामले में फैसला किया गया। इनके अलावा सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश संतोष प्रसाद शुक्ला तथा सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम प्रताप सिंह को लोकायुक्त संगठन भोपाल में विधि सलाहकार के पद पर संविदा नियुक्ति अवधि बढ़ाए जाने का अनुमोदन कैबिनेट ने किया।

इन विधेयकों को मंजूरी

1. मध्य प्रदेश दुकान एवं स्थापना अधिनियम द्वितीय संशोधन विधेयक 2025
2. मध्य प्रदेश नगर पालिका संशोधन विधेयक 2025

'मुझे हिंदू विरोधी कहना पूरी तरह गलत...

नहीं स्वीकार करूंगा सरकारी पद', बोले पूर्व सीजेआई बीआर गवई

नई दिल्ली, (एजेंसी) सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी.आर. गवई ने इंडिया टुडे/आजतक को दिए विशेष इंटरव्यू में कई मुद्दों पर खुलकर बात की. उन्होंने कहा कि उनको 'एंटी-हिंदू' कहा जाना बिल्कुल गलत था. उन्होंने साफ किया कि वह सरकार से कोई भी सेवानिवृत्ति के बाद की जिम्मेदारी नहीं लेंगे. हालांकि, राजनीति में आने से इनकार नहीं किया.

इंडिया टुडे के कंसल्टिंग एडिटर राजदीप सरदेसाई और इंडिया टुडे की एसोसिएट एडिटर अनीषा माथुर ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के पूर्व सीजेआई से खास बातचीत की, जहां उन्होंने जूता फेंके जाने की घटना से लेकर हेट स्पीच, बुलडोजर जस्टिस, न्यायिक भ्रष्टाचार और राजनीति में जाने की संभावना तक, उन्होंने हर सवाल का स्पष्ट जवाब दिया.

पूर्व जस्टिस गवई ने साक्षात्कार में अपने कार्यकाल के दौरान जूता फेंके जाने की घटना पर कहा, जूता हमले से मुझ पर

कोई असर नहीं पड़ा... मैं नहीं जानता उस घटना के पीछे क्या मकसद था. साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें हिंदू विरोधी कहना पूरी तरह गलत था.

उन्होंने ये भी कहा कि उस घटना के बाद वे कोर्ट में अपनी टिप्पणियों को लेकर ज्यादा सतर्क हो गए हैं, क्योंकि निर्दोष बातों को भी सोशल मीडिया पर तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा था.

उन्होंने कोर्ट की टिप्पणियों के सोशल मीडिया कवरेज पर नियमों की बात करते हुए कहा कि कोर्ट की टिप्पणियों के सोशल मीडिया कवरेज पर कुछ नियमन होने चाहिए.

बीआर गवई ने संसद से अपील की कि हेट स्पीच को रोकने के लिए ठोस कानून बनाया जाए. उन्होंने कहा, "हेट स्पीच समाज को बांटती है. इसके खिलाफ सख्त और स्पष्ट कानून की जरूरत है."

बुलडोजर जस्टिस पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, 'ये स्पष्ट है कि बुलडोजर के शासन पर कानून का शासन हावी होना चाहिए, लेकिन इसे लागू करना जरूरी है.'

पूर्व जस्टिस गवई ने पीएमएलए मामलों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पीएमएलए मामलों में भी जेल नहीं, बल्कि जमानत पर पुनः जोर दिया.

राम मंदिर में ध्वजारोहण, इंदौर के विद्याधाम में मनाई खुशियां

सांसद ने भी लहराया ध्वज, बोले-ध्वजारोहण हमारी सनातन संस्कृति का प्रतीक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। अयोध्या का राम मंदिर आज पूरा हुआ। पीएम नरेंद्र मोदी और RRS प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर शिखर पर ध्वजारोहण किया। इसी खुशी में इंदौर के श्रीश्री विद्याधाम परिसर में आयोजन किया गया। इसमें मंदिर के पुजारियों से लेकर बड़ी संख्या में बटुक शामिल हुए।

आयोजन में शामिल होने पहुंचे सांसद शंकर लालवानी ने ध्वज लहराया। साथ ही यहां पर आतिशबाजी की गई और मिठाई का वितरण भी किया गया। यहां मौजूद लोगों ने जय-जय सियाराम के जयघोष किए। इस दौरान ढोलक की थाप पर यहां मौजूद भक्त नृत्य करते भी नजर आए।

इस मौके पर सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि आज अयोध्या में रामलला के मंदिर में ध्वजारोहण हुआ है। इस खुशी में विद्याधाम में हमारे विद्वानों ने उत्साह के वातावरण में यह उत्सव मनाया हैं। ध्वजारोहण हमारी सनातन संस्कृति का प्रतीक है। ध्वजारोहण हमारे धर्म का, हमारे स्वाभिमान का प्रतीक है। ये करोड़ों लोगों के स्वाभिमान का प्रतीक है।

कई सालों के संघर्ष के बाद अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हुआ। रामलला की स्थापना हुई, मूर्ति की स्थापना हो चुकी थी, आज मंदिर का काम पूरा हुआ है और आज ध्वजारोहण हुआ उसी खुशी में यहां आयोजन किया गया है।

पलाश-स्मृति की शादी, मां बोली- बेटा-बहू दोनों इमोशनल स्ट्रेस में

पलक मुछाल ने इंस्टाग्राम पर लिखा-स्मृति के पिता की तबीयत के कारण रुकी शादी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की वाइस कैप्टन स्मृति मंधाना की शादी 23 नवंबर को सांगली में इंदौर के पलाश मुछाल से होनी थी, लेकिन स्मृति के पिता की तबीयत खराब होने के वजह से यह शादी अचानक से टाल दी गई।

मंगलवार सुबह पलाश मुछाल की बहन और सिंगर पलक मुछाल को मुंबई के एसआरवी हॉस्पिटल के बाहर स्पॉट किया गया है। वह हॉस्पिटल किस लिए गई हैं, इसकी आधिकारिक जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। इधर, स्मृति के पिता को अभी तक हॉस्पिटल से छुट्टी नहीं मिली है।

पारिवारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पलाश मुछाल को हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। हालांकि यह कंफर्म नहीं है कि उन्हें क्या हुआ है। इधर, पलक ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी में लिखा है- स्मृति के पिता की तबीयत के कारण शादी टली है। आप सभी हमारी प्राइवेसी का ख्याल रखिए।

इधर, स्मृति ने अपने इंस्टाग्राम से पलाश के साथ के सभी फोटो-वीडियो हटा दिए हैं। इसके बाद लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे थे। अब पलक की पोस्ट ने इन बातों पर विराम लगा दिया है।

पलाश की मां अमिता ने एक न्यूज चैनल को बताया कि पलाश स्मृति के पिता के बहुत करीब थे। इस कारण वह शादी की रस्में नहीं कर पाए। पिता के लिए इतना रोए कि पलाश की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्हें चार घंटे तक हॉस्पिटल में रखा गया।

●विंध्याचल नगर गार्डन की बाउंड्रीवॉल बनाने के निर्देश

निगमायुक्त बोले- मठ बगीची इलाके में सफाई में लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेंगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मंगलवार को नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव वार्ड 6 के कई इलाकों में पहुंचे। पश्चिम क्षेत्र में स्थित मठ बगीची से उन्होंने सफाई व्यवस्था देखने की शुरुआत की। परिसर को देखते हुए उन्होंने कहा कि मठ और बगीची क्षेत्र में रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, इसलिए यहां की सफाई व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं है।

उन्होंने संबंधित अधिकारी को कहा है कि पूरे परिसर के रोजाना सफाई, कचरा कलेक्शन और रख-रखाव का ध्यान रखें। साथ ही एनजीओ, प्रतिनिधियों को भी कहा कि मठ बगीची संचालन समिति से समन्वय करें और उन्हें सफाई व्यवस्था में सहयोग करने के लिए मोटिवेट करें।

इसके बाद वे विध्यांचल नगर इलाके में पहुंचे। यहां नाले के पास बने एक आवास की जर्जर स्थिति देखी, जो नाले के काफी पास में था जो कभी भी ढह सकता है। ये स्थिति देख उन्होंने तुरंत ही रिमूवल करने को कहा, ताकि संभावित दुर्घटना से बचा जा सके। साथ ही विंध्याचल नगर में नाले से सटे स्थित गार्डन की टूटी हुई बाउंड्री वॉल को भी देखा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सुरक्षा और सौंदर्यीकरण को ध्यान में रखते हुए बाउंड्रीवॉल का दोबारा जल्द से जल्द बनाया जाए। नगर निगम आयुक्त ने कहा कि अभी यह देखने में आ रहा है कि कुएं-बावड़ियों की सफाई नहीं हो रही है। हंस दास मठ के पास अतिक्रमण हटाने को भी कहा। जिसके बाद निगम की टीम ने कार्रवाई की।

देर रात आरटीओ चेकिंग, दो बसें जब्त

5 वाहनों पर डेढ़ लाख का जुर्माना, स्पीड गवर्नर, फायर सेफ्टी उपकरण चेक किए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। बसों के संचालन में लगातार सामने आ रही लापरवाही के चलते आरटीओ ने मैदान संभाल लिया है। आरटीओ प्रदीप शर्मा ने हंस ट्रेवल्स की बसों में अनियमितताएं मिलने पर दो बसें जब्त कर लीं।

बिना परमिट चल रही एक बस पर भी जुर्माना लगाया गया। शर्मा ने बताया कि सोमवार देर रात तक चली चेकिंग में 5 बसों से से डेढ़ लाख रुपए जुर्माना वसूला गया। सभी बसों पर मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

रिंग रोड पर चली इस कार्रवाई के दौरान आरटीओ प्रदीप शर्मा अपनी टीम के साथ मौजूद थे। सभी ने वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा सहित सभी दस्तावेज चेक किए गए। फायर सेफ्टी उपकरण, स्पीड गवर्नर भी चेक किए गए।

चेकिंग के दौरान यह देखा गया कि बस संचालक फिटनेस और परमिट शर्तों का उल्लंघन तो नही कर रहे हैं। सवारियों से ड्राइवर के तेज स्पीड और अनियंत्रित ढंग से बस चलाने के बारे में फीडबैक भी लिया गया।

पिछले सप्ताह भी आरटीओ दल ने चेकिंग के दौरान कई बसों पर कार्रवाई की गई। कनाडिया और खंडवा रोड के ग्रामीण क्षेत्र में संचालित स्कूल वाहनों की सघन जांच की। चार स्कूल वाहनों और एक बस को बिना परमिट–फिटनेस पाए जाने पर जब्त किया गया, जबकि पांच बसों पर स्पॉट फाइन लगाया गया। 15 से अधिक वाहनों पर कार्रवाई करते हुए एक लाख रुपए से अधिक जुर्माना वसूला गया।

महाराष्ट्र से आने वाली बस चार जगह खराब

औरंगाबाद-संभाजी नगर से इंदौर आ रही बस रास्ते में चार बार खराब हुई। रविवार शाम 7:30 बजे रवाना होकर सुबह करीब 4 बजे इंदौर पहुंचने वाली यह बस सोमवार देर रात 11.30 बजे इंदौर पहुंची। इस कारण बस में बैठे 50 से ज्यादा यात्री पूरी रात परेशान होते रहे।

माय हमसफर ट्रेवल्स की बस रविवार शाम 7:30 बजे भोपाल के लिए निकली। यह बस जालना होते हुए देवल गांव राजा के बीच खराब हो गई। यात्री अनिल संगोले ने बताया कि माय हमसफर ट्रेवल्स की इस बस के चलते ही कुछ दूरी पर डीजल पाइप फूट गया। ड्राइवर और क्लीनर ने इसे करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद ठीक किया।

सावित्री देवी ने बताया कि बस में सभी का दम घुट रहा था। इसके चलते यात्री कांच फोड़ने पर उतारू हो गए। तब बस ड्राइवर ने बुरहानपुर के नजदीक बस को रोका और एसी ठीक करने की कोशिश की। पर ठीक नहीं हो सका।

बस ऑपरेटर एसोसिएशन मध्य प्रदेश के गोविंद शर्मा ने बताया कि जैसे ही मामला मेरे पास पहुंचा, मैंने संबंधित औरंगाबाद के कर्ताधर्ताओं को उसकी सूचना दी। निश्चित तौर पर यह बस मालिक की गलती है। जब यात्री पूरा पैसा दे रहे हैं, एयर कंडीशनर स्लीपर का, तो ऐसी परेशानी होना दुखदाई और विडंबना है। बस रवाना होने से पहले सारी चीज चेक हो जाना चाहिए।

महिला टीचर ने दर्ज कराई छेड़छाड़ की एफआईआर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। वीर सावरकर नगर सत्संग भवन के चौकीदार ने घर बैठकर बात कर रहे दंपती पर अश्लील टिप्पणी की थी। चौकीदार को जब दंपती ने टोका तो उसने विवाद किया। इस दौरान महिला टीचर के साथ गलत हरकत की गई। दंपती पर दबाव बनाया गया। रात में चौकीदार को थाने से सत्संग से जुड़े लोग लेकर चले गए।

जूनी इंदौर पुलिस ने 41 साल की हाईकोर्ट वकील की पत्नी की शिकायत पर अशोक जावरे निवासी सत्संग भवन वीर सावरकर के खिलाफ सोमवार को छेड़छाड़ और धमकाने के मामले में केस दर्ज कराया है। पीड़िता एक अपार्टमेंट में रहती है। उनका आरोप है कि अशोक सत्संग भवन की बिल्डिंग से उनके बेडरूम में झांक रहा था। इस दौरान उसने अश्लील टिप्पणी की थी। जब उसे रोका तो वह अपशब्द कहने लगा। इसके बाद बाहर आकर बहस करने लगा।

पीड़िता ने एफआईआर में बताया कि इसके बाद उन्होंने पति के साथ मारपीट की। जब वह बचाव करने गई तो अशोक ने उन्हें बेड टच कर दिया। जिसमें उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंची। इसके बाद पीड़िता के पति ने पुलिस को 112 गाड़ी बुलाई।

एमवाय में एक्सपायरी दवा चढ़ाने के बाद हालत बिगड़ी

इंदौर में नेशनल प्लेयर जनसुनवाई में पहुंची, बोलीं- लिवर में सूजन, किडनी, फेफड़ों में इंफेक्शन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। प्रदेश के सबसे बड़े एमवाय अस्पताल में नेशनल कबड्डी प्लेयर रोशनी सिंह को एक्सपायरी दवा चढ़ाए जाने की पुष्टि जांच में हो चुकी है। इस पर तीन नर्सिंग स्टाफ के खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी हो गई है। इसके बावजूद मामला एक बार फिर तूल पकड़ रहा है।

पति सागरसिंह का आरोप है कि अस्पताल से 22 नवंबर को डिस्चार्ज करने के बाद जब घर पहुंचे तो पत्नी की हालत फिर खराब हुई। हमने एमवायएच की की रिपोर्ट देखी। इसमें पता चला कि लिवर में सूजन और दूसरी भी खराबी है। डॉक्टरों ने हमसे यह छिपाया। दो दिनों से तकलीफ बढ़ने पर पति सागर सिंह पत्नी रोशनी को व्हील चेयर पर मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में अपनी शिकायत लेकर पहुंचे। इस दौरान दोनों छोटे बच्चे भी उनके साथ थे।

हालांकि देर होने के कारण उन्होंने वहां एसडीएम प्रियमा वर्मा को शिकायत की, उन्होंने शिकायती आवेदन में अस्पताल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रोशनी ने बताया कि जब मुझे एमवाय अस्पताल में एडमिट किया था तो बताया था कि मेरी रिपोर्ट बहुत खराब है और डरने वाली बात है। इस बीच जब एक्सपायर्ड दवाई चढ़ाई और हमने शिकायत की तो इसके बाद मेरी तबीयत अच्छी बताकर डिस्चार्ज कर दिया गया। अब मेरी हालत ऐसी है कि लिवर में सूजन है। सारी हड्डियां दर्द दे रही हैं। मैं चल नहीं पा रही हूं। जब रिपोर्ट खराब आई और मुझे फर्क नहीं पड़ा तो डिस्चार्ज कैसे कर दिया। रोशनी का कहना है कि मेरे लिवर, किडनी, फेफड़ों में तकलीफ बढ़ गई है। इनमें इन्फेक्शन भी हो गया है, जो अस्पताल की आखिरी रिपोर्ट और हाल ही रिपोर्ट में सामने आया है। सारे पैरामीटर्स काफी गड़बड़ हैं। दंपती ने गुहार लगाई है कि उन्हें इलाज के लिए आर्थिक सहायता दी जाए। सागर सिंह का कहना है कि जब एडमिट किया था, तब वह पैदल चलकर गई थीं और अब व्हील चेयर पर हैं। वह खुद ठीक से उठ बैठ भी नहीं सकतीं।

पति सागर सिंह का कहना है कि अस्पताल के डॉक्टरों ने हमें बताया कि मरीज को टीबी है। आप घर पर भी दवाइयां लीजिए लेकिन पत्नी को दूसरी बहुत सी तकलीफ है। पत्नी की तबीयत खराब होने से मैं चार माह से घर पर हूं और यहां आर्थिक सहायता के लिए आए हैं। अधिकारियों ने उन्हें आश्वस्त किया है उन्हें आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ सरकारी अस्पताल में आयुष्मान कार्ड के तहत इलाज करवाया जाएगा।

एमवाय अस्पताल में भर्ती नेशनल कबड्डी प्लेयर रोशनी को लगातार दो दिन एक्सपायरी दवाई चढ़ाई गई थी। घटना सामने आने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने पांच सदस्यीय समिति गठित की थी। समिति ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में पुष्टि की कि मरीज को एक्सपायर्ड दवा दी गई थी।

पीएस डिप्लोमा कर रही छात्रा ने सुसाइड किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। हीरानगर में रहने वाली 19 वर्षीय छात्रा ने सोमवार शाम सुसाइड कर लिया। वह अपने कैफे पर नहीं पहुंची तो दोस्तों ने उसे मोबाइल पर कॉल किया, लेकिन फोन नहीं उठाने पर वे उसके कमरे पर पहुंचे। वहां स्थिति संदिग्ध दिखने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के मुताबिक, छात्रा का कुछ समय पहले एक ऑपरेशन हुआ था और संभवतः इसी बात को लेकर वह तनाव में थी।

टीआई सुशील पटेल के अनुसार, प्रियांशी (19) पुत्री धर्मेंद्र राव ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने उसका मोबाइल जब्त कर लिया है, जबकि कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। प्रियांशी अपने घर के पास ही दो दोस्तों नवीन और एक अन्य साथी के साथ मिलकर कैफे चलाती थी। वह मूल रूप से देवास जिले के बरोठा गांव की रहने वाली थी। पुलिस का कहना है कि संभवतः डिप्रेशन के चलते उसने यह कदम उठाया है।

प्रियांशी की दो बहनें हैं। एक माता-पिता के साथ रहती है, जबकि दूसरी भोपाल में पढ़ाई कर रही है। प्रियांशी इंदौर में काम के साथ-साथ पीएस डिप्लोमा भी कर रही थी। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले ही उसने चेस्ट का ऑपरेशन कराया था, जिसके बाद से वह डिप्रेशन में थी।

प्रियांशी अपने दोस्तों में नवीन से ज्यादा बातें करती थी। फिलहाल नवीन होशंगाबाद में है। पुलिस उसके इंदौर लौटने के बाद उससे भी पूछताछ करेगी।

टैंकर ड्राइवर ने किया सुसाइड

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। द्वारकापुरी क्षेत्र में रहने वाले एक टैंकर ड्राइवर ने सोमवार देर शाम सुसाइड कर लिया। बताया जाता है कि दंपति के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद उसने यह कदम उठा लिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। द्वारकापुरी पुलिस के अनुसार, मृतक मोहन (45) निवासी भागीरथ अकलोदिया पानी का टैंकर चलाता था। सोमवार शाम ड्यूटी से लौटने के बाद उसकी पत्नी रेखा से कहासुनी हो गई। विवाद के बाद पत्नी घर से बाहर चली गई, इसी दौरान मोहन ने फांसी लगाकर जान दे दी।

मुख्यमंत्री 1 से 5 दिसंबर तक करेंगे सभी विभागों की समीक्षा, अगली कैबिनेट बैठक 8-9 दिसंबर को खजुराहो

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश में शासन और प्रशासनिक कार्यों की व्यापक समीक्षा को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 1 से 5 दिसंबर तक सभी विभागों की विस्तृत समीक्षा बैठकें लेंगे। इन बैठकों में विभागों द्वारा पिछले दो वर्षों में किए गए कार्यों, सामने आई चुनौतियों, उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि किन-किन विभागों ने नवाचार (Innovation) के माध्यम से बेहतर कार्य किया है और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

सूत्रों के अनुसार, इस बड़े समीक्षा अभियान के साथ ही अगले वर्ष राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार होने की संभावना भी तेज हो गई है। वर्तमान में राज्य कैबिनेट में चार पद रिक्त हैं। लंबे समय से प्रदेश में कैबिनेट विस्तार की अटकलें लगाई जा रही है। माना जा रहा है कि विभागों की समीक्षा रिपोर्ट के आधार पर मंत्रिमंडल विस्तार तथा विभागों को बदला जा सकता है। भाजपा में कई वरिष्ठ विधायक मंत्री बनने की राह देख रहे हैं। डॉ. मोहन यादव सरकार को दो साल हो गए हैं। सरकार ने निगम मंडलों में भी नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की यह समीक्षा प्रदेश में प्रशासनिक पारदर्शिता और कार्यक्षमता बढ़ाने के लक्ष्य के तहत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसके जरिए सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि आगामी चुनावों से पहले सभी विभाग निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रदर्शन करें और जनता से किए गए वादों का प्रभावी रूप से पालन हो।

8 और 9 दिसंबर को खजुराहो में अगली कैबिनेट बैठक - सरकार ने निर्णय लिया है कि अगली कैबिनेट की बैठक 8 और 9 दिसंबर को खजुराहो में आयोजित की जाएगी। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाले खजुराहो में होने वाली यह बैठक विकास योजनाओं, निवेश, पर्यटन और प्रशासनिक सुधार से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर केंद्रित रहेगी। बता दें इससे पहले भी प्रदेश के अलग-अलग शहरों में कैबिनेट बैठक आयोजित की जा चुकी हैं।

मतदाता पुनरीक्षण के दौरान दो बीएलओ की मौत

प्रशासन ने दबाव के आरोपों से किया इनकार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

दमोह, एजेंसी। दमोह जिले में चल रहे मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) सर्वे के दौरान बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) पर बढ़ते दबाव को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। हाल ही में दो अलग-अलग बीएलओ की मौत के मामलों ने इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया है। परिजनों ने अधिकारियों पर दबाव बनाने के आरोप लगाए थे, जिसके बाद प्रशासन ने इन घटनाओं पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, श्याम सुंदर शर्मा स्कूल शिक्षा विभाग में उच्च माध्यमिक शिक्षक थे और विधानसभा क्षेत्र 56 जबेरा के मतदान केंद्र क्रमांक 193 बैरागढ़ में बीएलओ के रूप में पदस्थ थे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर कुमार कोचर ने बताया कि 4 नवंबर को विशेष गहन पुनरीक्षण संबंधी प्रशिक्षण के बाद वे अपने निजी वाहन से लौट रहे थे, तभी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। सिर पर गंभीर चोट आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई थाना तेजगढ़ की शव परीक्षण रिपोर्ट में मृत्यु का कारण सिर पर लगी गंभीर चोट और कठोर एवं कुंद वस्तु के प्रहार को बताया गया है। प्रशासन का कहना है कि यह पूरी तरह सड़क दुर्घटना का मामला है और ड्यूटी के दबाव से इसका कोई संबंध नहीं है। दूसरा मामला विधानसभा क्षेत्र 55 दमोह के मतदान केंद्र क्रमांक 220 रंजरा का है, जहां बीएलओ सीताराम गौड़ की तबीयत 21 नवंबर को अचानक बिगड़ गई। प्रारंभिक उपचार के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर किया गया, जहां उसी रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, उनके किडनी और लीवर फंक्शन में गंभीर खराबी पाई गई, साथ ही मल्टी ऑर्गन फेल्योर और थ्रोम्बोसाइटोपेनिया के लक्षण भी मिले। कलेक्टर कोचर ने स्पष्ट किया कि मेडिकल जांच के आधार पर इसे ड्यूटी के अत्यधिक दबाव से नहीं जोड़ा जा सकता। प्रशासन ने दोनों मामलों पर कहा कि मौतों का कारण चिकित्सा और दुर्घटना संबंधी है और बीएलओ पर किसी भी तरह के प्रशासनिक दबाव का आरोप तथ्यहीन है।

उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड रोड के विरोध में 62 गांवों के किसान उग्र, अफसर को बनाया बंधक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड रोड के निर्माण को लेकर ग्रामीणों का विरोध अब उग्र हो गया है। लगभग 5017 करोड़ रुपए की लागत से बनाए जा रहे 99 किलोमीटर लंबे हाईवे को लेकर 62 गांवों के प्रतिनिधियों ने सोमवार को एमपीआरडीसी कार्यालय पर पहुंचकर अफसर को बंधक बना लिया। ग्रामीणों ने कार्यालय का चैनल बंद कर चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हमारी मांगें नहीं मानी गईं, तो गांव की तरफ सड़क बनाने की कोशिश मत करना। जान चली जाए तो भी हम अपनी जमीन नहीं छोड़ेंगे।

जानकारी के अनुसार सरकार इस ग्रीनफील्ड हाईवे को जमीन से 10 से 15 फीट ऊंचाई पर बना रही है। इसी कारण से ग्रामीणों में नाराजगी है। उनका कहना है कि ऊंचा हाईवे बनने से गांवों का संपर्क टूट जाएगा और खेती तथा स्थानीय मार्गों पर असर पड़ेगा। किसानों का आरोप है कि उन्होंने इस संबंध में कलेक्टर, कमिश्नर, विधायक और सांसद तक से शिकायत की लेकिन किसी ने उनकी समस्या का समाधान नहीं किया। आखिरकार मजबूर होकर उन्होंने एमपीआरडीसी कार्यालय में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान अफसरों को समझाने की कोशिश की गई, जिसके बाद ग्रामीण शांत हुए और कार्यालय से लौट गए। हालांकि जाते-जाते उन्होंने साफ चेतावनी दी कि यदि हमारी बात नहीं सुनी गई तो सड़क निर्माण रोक देंगे, चाहे जान चली जाए। हमारे पूर्वजों की जमीन पर कोई कब्जा नहीं कर सकता। एमपीआरडीसी इंजीनियर दीपक शर्मा ने बताया कि उन्होंने किसानों की समस्याओं को जमीन पर बैठकर सुना है और उनकी सभी मांगें भोपाल मुख्यालय को भेज दी गई हैं। निर्णय वहीं से लिया जाएगा।

यह है किसानों की मांगें

विरोध कर रहे किसानों ने अपनी मांगें बताईं कि उज्जैन से जावरा तक बनने वाली 99 किमी हाईवे को जमीन से 10-15 फीट ऊंचाई से बनाने के बजाय अन्य सामान्य फोरलेन की तरह बनाया जाए ताकि क्षेत्र के गांवों को भी इसका लाभ मिले। भूमि अधिग्रहण से पहले किसानों को वर्तमान बाजार मूल्य के आधार पर मुआवजा दिया जाए।

पहले भी हुआ था विरोध

उज्जैन-जावरा के मध्य 4 लेन पेव्हड सोल्डर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस कंट्रोल हाईवे में किसानों की जमीन का अधिग्रहण को लेकर एसडीएम कार्यालय घट्टिया में ग्राम झिरनिया, सारोला, तुमड़ावदा, पुरीखेड़ा, मजरा, आजमपुरा, सोड़ंग, विनायगा, धुलमुह के किसानों ने एसडीएम राजाराम करजरे को आवेदन देकर पहले भी आपत्ति दर्ज करवाई थी।

धार में चलती बाइक पर साइलेंट अटैक आने से मौत

डॉक्टर ने सीपीआर दिया, नहीं बचा सके, एक हफ्ते बाद बेटे की सगाई थी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

धार, एजेंसी। धार जिले के जेतपुरा गांव में सोमवार सुबह चलती बाइक पर साइलेंट अटैक आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वे अपने छोटे बेटे की 3 दिसंबर को होने वाली सगाई की खरीदारी करने धार शहर जा रहे थे। शख्स की बाइक से गिरने की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है।

जानकारी के मुताबिक, झमकलाल सोलंकी अपने बड़े बेटे के साथ बाइक पर बैठे थे। पत्नी पीछे बैठी थीं। गांव से कुछ दूर पहुंचते ही उन्हें अचानक साइलेंट अटैक आया और वे बाइक से नीचे गिर पड़े। गिरते ही वे सड़क पर बेसुध हो गए। यह पूरी घटना पास के एक रेस्टोरेंट के सामने लगे सीसीटीवी में कैद हो गई।

डॉक्टर ने मौके पर पहुंचकर CPR दिया

पास ही स्थित क्लीनिक के डॉक्टर करण वसुनिया तुरंत मौके पर पहुंचे और CPR दिया। गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें धार के एक निजी अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शी नीलेश ने कहा कि वह रेस्टोरेंट में चाय पी रहे थे, तभी बाइक से गिरते देखा। लोग तुरंत दौड़े और मदद की कोशिश की, लेकिन डॉक्टर के प्राथमिक उपचार के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका।

परिवार छोटे बेटे अभिषेक की 3 दिसंबर को होने वाली सगाई की तैयारी कर रहा था। खरीदारी के लिए निकले परिवार पर यह घटना अचानक आ गई। घर में जहां खुशियों की तैयारियां थीं, अब वहां मातम पसरा है।

ओरछा में रामराजा सरकार का शाही विवाह

लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में रात 12 बजे निकलेगी बारात

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

निवाड़ी, एजेंसी। निवाड़ी जिले के ओरछा में रामराजा सरकार का शाही विवाह समारोह लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में आज मंगलवार रात 12 बजे पूरा होगा। तीन दिवसीय रामविवाह महोत्सव के दौरान भगवान राम दूल्हे के रूप में पालकी में सवार होकर निकलेंगे।

यह आयोजन प्राचीन बुंदेली परंपराओं के अनुरूप हुआ। रामराजा सरकार को विशेष 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया जाएगा, जो ओरछा के किलेबंद क्षेत्र में केवल 'राजा' को मिलता है। मंदिर के बजाय राजमहल में विराजने वाले रामराजा सरकार की बारात में दर्जनों घोड़े आगे रहेंगे। उनके पीछे हाथियों पर रक्षक और मध्य में दूल्हा स्वरूप रामराजा सरकार की पालकी रहेगी।

संपादकीय

चेयर की रूलिंग की आलोचना न करें

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले राज्यसभा की ओर से एक बुलेटिन जारी कर सदस्यों को सदन के सामान्य शिष्टाचार के बारे में आगाह किया गया है। इस बुलेटिन में सदस्यों को यह याद दिलाया गया है कि चेयर की ओर से जो भी रूलिंग दी जाती है, उसकी सदन के अंदर या बाहर कहीं भी आलोचना नहीं होनी चाहिए। साथ ही साथ इसमें नारेबाजी से भी मनाही की गई है। बता दें कि सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने के बाद यह राज्यसभा के सभापति के रूप में उनका पहला संसदीय सत्र है। HT की एक रिपोर्ट के मुताबिक राज्यसभा की ओर से जारी बुलेटिन में कहा गया है कि चेयर की ओर से सदन की निर्धारित मान्यताओं के आधार पर ही निर्णय दिए जाते हैं और अगर ऐसा कोई उदाहरण मौजूद नहीं है तो आम संसदीय परंपराओं का पालन करते हुए फैसला सुनाता है। चेयर की ओर से दिए जाने वाले निर्णय की सदन के भीतर या बाहर सीधे अथवा परोक्ष रूप से आलोचना नहीं होनी चाहिए। इस बुलेटिन में आगे कहा गया है कि सदन की कार्यवाही की मर्यादा और गंभीरता बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि 'थैंक्स', 'थैंक्य यू' या यहां तक कि 'जय हिंद', 'वंदे मातरम्' या अन्य कोई भी नारेबाजी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए संसदीय रीतियों और परंपराओं का हवाला दिया गया है। सोमवार को जारी बुलेटिन में सांसदों को यह भी याद दिलाया गया है कि सदन में तख्तियां दिखाने की अनुमति नहीं है और अगर कोई सांसद किसी अन्य एमपी या मंत्री की आलोचना करता है और फिर उसके जवाब के समय अनुपस्थित हो जाता है तो यह शिष्टाचार का उल्लंघन माना जाएगा। इसके अनुसार 'अगर एक सांसद किसी दूसरे सदस्य या मंत्री की आलोचना करता है तो यह उम्मीद की जाती है कि जवाब देते वक्त उसे सुनने के लिए भी सदन में उपस्थित रहे। जवाब के समय अनुपस्थित होना संसदीय शिष्टाचार का उल्लंघन है।' वैसे तो यह संसद के दोनों सदनों के स्टैंडर्ड हैंडबुक का हिस्सा है, लेकिन जारी किए गए बुलेटिन की अहमियत इसलिए बढ़ गई है, क्योंकि उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्ण पहली बार राज्यसभा की कार्यवाही का सभापतित्व करेंगे। पिछले कुछ वर्षों में राज्यसभा सभापति और विपक्षी सांसदों के संबंधों में बहुत ज्यादा कड़वाहट देखने को मिली है। यहां तक कि विपक्ष ने पहली बार तत्कालीन सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ महाभियोग तक का नोटिस दे दिया था। हालांकि, उपसभापति हरिवंश ने इस नोटिस को 'गंभीर रूप से दोषपूर्ण' और संवैधानिक पद को नीचा दिखाने के लक्ष्य से लाया गया बताकर खारिज कर दिया था।

ज्ञान-विज्ञान

साढ़े 4 हजार किमी दूर से दिल्ली कैसे पहुंची ज्वालामुखी की राख?

क्या इससे पॉल्यूशन बढ़ जाएगा? 5 सवालों के जवाब

अफ्रीका के एक दूरस्थ कोने में मौजूद एक ज्वालामुखी 12 हजार साल बाद अचानक फट पड़ा. और उसकी राख 4,500 किलोमीटर दूर भारत की राजधानी दिल्ली तक पहुंच रहा है. 23 नवंबर 2025 को इथियोपिया के अफार इलाके में हायली गुबी ज्वालामुखी में विस्फोट हुई. यह ज्वालामुखी इतने सालों से सोया हुआ था, लेकिन अब इसने आसमान में 14 किलोमीटर ऊंची राख की चादर बिछा दी है. आइए समझते हैं यह राख इतनी दूर कैसे पहुंची? क्या इससे दिल्ली का प्रदूषण बढ़ेगा? अन्य महत्वपूर्ण सवालों के जवाब खोजते हैं. पहले घटना की पूरी जानकारी समझते हैं, फिर 5 सवालों पर नजर डालते हैं.

हायली गुबी ज्वालामुखी: कौन है यह 'सोया हुआ राक्षस'?

हायली गुबी एक शील्ड ज्वालामुखी है, जो इथियोपिया के अफार क्षेत्र में स्थित है. यह एर्ता अले ज्वालामुखी श्रृंखला का सबसे दक्षिणी हिस्सा है. अफार क्षेत्र को 'पृथ्वी का नर्क' भी कहा जाता है, क्योंकि यहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है. यह पूर्वी अफ्रीकी रिफ्ट वैली का हिस्सा है – जहां पृथ्वी की टेक्टोनिक प्लेटें (प्लेटें जो पृथ्वी की सतह को बनाती हैं) लगातार अलग हो रही हैं.

विस्फोट का समय और आकार: 23 नवंबर 2025 को भारतीय समयानुसार दोपहर 2 बजे यह फटा. राख का गुबार समुद्र तल से 14 km ऊपर चला गया. वैज्ञानिकों के अनुसार, इससे पहले 12000 साल (होलोसीन काल) में इसका कोई रिकॉर्ड नहीं है. सैटेलाइट डेटा से पता चला कि इसमें सल्फर डाइऑक्साइड (SO) गैस की भारी मात्रा थी.

वैज्ञानिक कारण: ज्वालामुखी फटने से पहले, एर्ता अले के नीचे 50 किलोमीटर लंबी मैग्मा की दीवार (मैग्मा डैम) टूट गई. इससे घंटों पहले 4.7 तीव्रता का भूकंप आया था. पूर्वी अफ्रीकी रिफ्ट में सुपर प्लूम (गर्म मैग्मा का विशाल गुबार) का दबाव बढ़ रहा था, जो प्लेटों के अलग होने से पैदा होता है. यह रिफ्ट वैली अफ्रीका महाद्वीप को दो भागों में बांटने वाली प्रक्रिया का हिस्सा है.

स्थानीय प्रभाव: राख पास के गांव अफदेरा पर गिरी. कोई मौत नहीं हुई, लेकिन चरवाहों को चिंता है कि राख से चरागाह खराब हो जाएंगे और पशु बीमार पड़ सकते हैं. दनाकिल रेगिस्तान में कुछ पर्यटक फंस गए.

विमानन पर असर: राख लाल सागर पार यमन और ओमान की ओर बढ़ी, फिर पूर्व की ओर पाकिस्तान, उत्तरी भारत और चीन तक. भारत में कई उड़ानें रद्द हुईं – जैसे एयर इंडिया की मुंबई-हैदराबाद और इंडिगो की कन्नूर-अबू धाबी. डीजीसीए ने एयरलाइंस को चेतावनी दी कि राख इंजन को नुकसान पहुंचा सकती है.

अब सवाल आता है – यह राख दिल्ली कैसे पहुंची? और क्या इससे हमारी हवा खराब हो जाएगी? आइए, 5 प्रमुख सवालों के सरल जवाब समझते हैं, वैज्ञानिक कारणों के साथ.

1. साढ़े 4 हजार किलोमीटर दूर से दिल्ली कैसे पहुंची ज्वालामुखी की राख?

हायली गुबी से दिल्ली की दूरी लगभग 4,500 किलोमीटर है. राख इतनी1 दूर पहुंचने का मुख्य कारण है वायुमंडलीय हवाओं की जेट स्ट्रीम.

वैज्ञानिक कारण: ज्वालामुखी विस्फोट से राख बारीक कणों (जैसे कांच और चट्टान के टुकड़े) के रूप में निकलती है. यह इतनी ऊंची (14 किमी) जाती है कि स्ट्रेटोस्फीयर (उपरी वायुमंडल) में पहुंच जाती है. यहां जेट स्ट्रीम नाम की तेज हवाएं (100-130 किमी/घंटा की रफ्तार) चलती हैं, जो पश्चिम से पूर्व की ओर बहती हैं.

23 नवंबर को राख लाल सागर पार यमन-ओमान पहुंची, फिर अरब प्रायद्वीप से पाकिस्तान होते हुए राजस्थान में घुसी. 24 नवंबर रात 11 बजे तक यह दिल्ली पर छा गई. सैटेलाइट मैप्स (जैसे टूलूज VAAC) से पता चला कि यह 15,000 से 45,000 फीट ऊंचाई पर बह रही थी. अगर हवाएं न होतीं, तो राख बस 50-100 किमी दूर गिर जाती. याद कीजिए 2010 का आइसलैंड विस्फोट – उसकी राख भी यूरोप भर में फैली थी.

2. क्या इससे दिल्ली का प्रदूषण बढ़ जाएगा?
नहीं, ज्यादा चिंता की कोई बात नहीं. राख ऊंचाई पर है, इसलिए सतह पर प्रदूषण का बड़ा असर नहीं पड़ेगा.

वैज्ञानिक कारण: दिल्ली का AQI पहले से ही खराब (स्मॉग से) है, लेकिन यह राख स्ट्रेटोस्फीयर में है, जहां हवा साफ रहती है. IMD के निदेशक एम. मोहपात्रा ने कहा कि यह नीचे नहीं उतरेगी, इसलिए PM2.5 या PM10 पर ज्यादा प्रभाव नहीं. हां, आकाश धुंधला दिख सकता है. विजिबिलिटी कम हो सकती है. सल्फर डाइऑक्साइड गैस बादल बनाकर बारिश ला सकती है, जो प्रदूषण धो दे. लंबे समय में, SO एसिड रेन पैदा कर सकती है, लेकिन यहां मात्रा कम है. कुल मिलाकर, स्थानीय प्रदूषण (कारें, फैक्टरियां) से ज्यादा खतरा नहीं.

3. ज्वालामुखी इतने साल बाद क्यों फटा? क्या कारण था?

12,000 साल की नींद टूटने का राज है पृथ्वी के अंदर की उथल-पुथल

वैज्ञानिक कारण: हायली गुबी पूर्वी अफ्रीकी रिफ्ट का हिस्सा है, जहां अफ्रीकी प्लेट दो भागों में बंट रही है. नीचे सुपर प्लूम नाम का गर्म मैग्मा का विशाल भंडार दबाव बना रहा था. विस्फोट से पहले मैग्मा की 50 किमी लंबी दीवार टूटी, जो एर्ता अले से मैग्मा लाई. भूकंप (4.7 तीव्रता) ने इसे ट्रिगर किया. वैज्ञानिक कहते हैं, यह रिफ्ट वैली की नया महाद्वीप बनने की प्रक्रिया है – लाखों साल बाद यहां नया समुद्र बन सकता है. पहले के विस्फोट अनदेखे रह गए क्योंकि इलाका दूरदराज है.

4. स्थानीय लोगों और पर्यावरण पर क्या असर पड़ा?

इथियोपिया में तत्काल खतरा कम है, लेकिन लंबे समय के प्रभाव चिंताजनक हैं.

वैज्ञानिक कारण: राख मिट्टी की उर्वरता कम कर देती है, क्योंकि इसमें सिलिका (कांच जैसे कण) होते हैं जो पानी सोख लेते हैं.

चरवाहों के लिए खतरा: पशु राख की वजह से सांस की बीमारी पा सकते हैं. दनाकिल रेगिस्तान में पर्यटक फंस गए, क्योंकि राख से सड़कें फिसलन भरी हो गईं.

पर्यावरण पर: SO से एसिड रेन हो सकती है, जो फसलों को नुकसान पहुंचाए. लेकिन कोई मौत नहीं हुई, क्योंकि इलाका कम आबादी वाला है. वैज्ञानिक अब राख के नमूने ले रहे हैं ताकि इतिहास की जांच हो सके.

5. क्या यह रिफ्ट वैली में बाढ़ का कारण बन सकता है? सुपर प्लूम का क्या रोल?
यह सवाल दिलचस्प है – हायली गुबी रिफ्ट वैली के उत्तरी छोर पर है. सुपर प्लूम से बाढ़ का कनेक्शन हो सकता है, लेकिन सीधा नहीं.

वैज्ञानिक कारण: रिफ्ट वैली के तल पर पानी के स्रोत (जैसे झीलें) हैं, जो प्लेटों के अलग होने से ऊपर आते हैं. सुपर प्लूम दबाव बढ़ाता है, जो भूकंप लाता है. मैग्मा ऊपर धकेलता है. इससे विस्फोट होता है, लेकिन बाढ़? यह प्लूम से गर्मी फैलने से हो सकता है – गर्मी बर्फ पिघला दे या भूजल ऊपर आ जाए. लेकिन हायली गुबी का विस्फोट बाढ़ का सीधा कारण नहीं; यह रिफ्ट की सामान्य गतिविधि है. वैज्ञानिकों को अब अध्ययन करना होगा कि क्या यह प्लूम बाढ़ को ट्रिगर कर रहा है. फिलहाल, कोई सीधा लिंक साबित नहीं.

प्रकृति की शक्ति को समझें, सतर्क रहें

हायली गुबी का जागना हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी जीवित है – प्लेटें हिलती हैं, मैग्मा उबलता है. भारत में उड़ानें प्रभावित हुईं, लेकिन प्रदूषण पर बड़ा असर नहीं. वैज्ञानिक कहते हैं, ऐसे विस्फोट दुर्लभ हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन से रिफ्ट गतिविधि बढ़ सकती है. सैटेलाइट और मौसम विज्ञान ने हमें पहले चेतावनी दी, जो अच्छी बात है. अगर आप दिल्ली या आसपास हैं, तो आकाश पर नजर रखें – धुंधला दिखे तो मास्क लगाएं.

New Delhi

व्हाट्सएप अकाउंट निलंबन पर SCBA के पूर्व अध्यक्ष ने दिल्ली HC में लगाई गुहार, मौलिक अधिकारों का उल्लंघन

नई दिल्ली, (एजेंसी) सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (SCBA) के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता आदिश सी अग्रवाल ने अपने व्हाट्सएप अकाउंट के अचानक और एकतरफा निलंबन को चुनौती देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि प्लेटफॉर्म की कार्रवाई ने उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया है और उनके पेशेवर कामकाज को पंगु बना दिया है। संविधान के अनुच्छेद 226 और 227 के तहत दायर अपनी रिट याचिका में, अग्रवाल ने अपने व्हाट्सएप नंबरों को मनमाने ढंग से निष्क्रिय करने की आलोचना की है और

तर्क दिया है कि निलंबन बिना किसी पूर्व सूचना, कारण बताओ नोटिस या उनके व्यक्तिगत और पेशेवर डेटा को पुनः प्राप्त करने का अवसर दिए बिना किया गया था।

याचिका में कहा गया है कि इसमें कानूनी मसौदे, ब्रीफिंग नोट्स, संचार, बार काउंसिल चुनाव सामग्री और गोपनीय मामले से संबंधित दस्तावेज शामिल थे। याचिका में कहा गया है कि निलंबन एक महत्वपूर्ण अवधि के दौरान हुआ जब अग्रवाल बैंकॉक, लंदन, दुबई और अन्य न्यायालयों में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में व्यस्त थे, जिससे उनके पेशेवर कर्तव्यों और चल रही चुनाव संबंधी गतिविधियों में निष्पक्ष भागीदारी में गंभीर बाधा उत्पन्न हुई। उन्होंने कहा कि व्हाट्सएप की कार्रवाई अनुच्छेद 14, 19(1)(ए), 19(1)(जी) और 21 के तहत उनके अधिकारों का उल्लंघन करती है।

Shreenagar

● श्रीनगर से गुलमर्ग तक छाया सर्दियों का जादू

कश्मीर की ठंडी और धुंध भरी वादियां, बर्फीली सुबहें सैलानियों को बुला रहीं

श्रीनगर, (एजेंसी) कश्मीर घाटी इन दिनों शीतलहर की ताजगी और बर्फीली खुशनुमा ठंड से भर उठी है। न्यूनतम तापमान भले ही शून्य से नीचे दर्ज किया जा रहा हो, लेकिन इसी ठंड ने पूरी घाटी को एक स्वर्गिक रूप दे दिया है, जिसे देखने देश–दुनिया से सैलानी लगातार पहुंच रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार श्रीनगर में सोमवार रात तापमान माइनस 3.1 डिग्री सेल्सियस तक गया, यह इस मौसम की दूसरी सबसे सर्द और सबसे सुंदर रातों में से एक रही। इससे पहले रविवार को -3.2 डिग्री तापमान ने शहर को एक नर्म, चमकदार ओस और बर्फ की परतें से सजा दिया था। हम आपको बता दें कि शोपियां, जो दक्षिण कश्मीर का मोती माना जाता है, इस समय घाटी का सबसे ठंडा और सबसे आकर्षक स्थान बना हुआ है। यहां तापमान -5.4C दर्ज हुआ, जिससे चारों ओर फैली सफेद चादर पर्यटकों के लिए किसी सपने जैसी दिख रही है। पुलवामा में तापमान -5C पहुंचने के बाद यहाँ की सुबहें धुंध और पहाड़ियों की जुगलबंदी से मन मोह लेती हैं। पहलगाम, जो अमरनाथ यात्रा का आधार शिविर भी है, -4.4C की ठंड में इन दिनों बेहद रोमांटिक और शांत माहौल समेटे हुए है। गुलमर्ग जो देश का सबसे पसंदीदा विंटर रिसॉर्ट है वहां इस वक्त -1.2C तापमान के साथ स्कीइंग और स्नो एडवेंचर के लिए शानदार मौसम दे रहा है।

Punjab

आर्मी ट्रक और कार में भीषण टक्कर

सैन्य वाहन में सवार थे सेना के जवान, जालंधर-पठानकोट हाईवे पर लगा जाम

जालंधर, (एजेंसी) पंजाब के जालंधर में जालंधर-पठानकोट नेशनल हाईवे मंगलवार को बड़ा सड़क हादसा हुआ। पठानकोट चौक के पास आर्मी ट्रक और एक कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में आर्मी ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के बीचों-बीच पलट गया, जबकि कार भी डिवाइडर पर जाकर उलट गई। हादसे में कार सवार व्यक्ति को मामूली चोटें आईं, जबकि आर्मी के सभी जवान सुरक्षित बताए जा रहे हैं। इस घटना के बाद हाईवे पर ट्रैफिक जाम हो गया। वाहनों की लंबी कतारें लग गई। मौके पर रोड सेफ्टी फोर्स ने हाइड्रेंट की मदद से ट्रक को हटाकर यातायात बहाल कराया। जानकारी के अनुसार, आर्मी ट्रक पठानकोट से जवानों को लेकर इलाहाबाद जा रहा था और कार सवार दवाई लेकर दसूहा की ओर जा रहे थे, तभी यह दुर्घटना हो गई। थाना 8 की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

Paschim bangal

भाजपा बंगाल में मुझे छूएगी तो पूरे देश में हिला दूंगी, SIR विरोध मार्च में ममता, EC पर भी बरसीं

कोलकाता, (एजेंसी) पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को बोंगांव के चंदपारा से उत्तर 24 परगना जिले के ठाकुरनगर

(मटुआ समुदाय का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र) तक विशेष गहन संशोधन के खिलाफ एक जोरदार विरोध मार्च का नेतृत्व किया। करीब 3 किलोमीटर लंबा यह पैदल मार्च बोंगांव के त्रिकोण पार्क (ट्राइकोन पार्क) से शुरू हुआ, जहां इससे पहले एक बड़ी जनसभा भी हुई। जनसभा में ममता बनर्जी ने SIR प्रक्रिया को 'अराजक' और 'धमकी भरा' करार देते हुए इसका कड़ा विरोध किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी बंगाल में मुझे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगी, तो मैं पूरे देश में भाजपा की जड़ें हिला दूंगी।

रैली में क्या बोलीं ममता बनर्जी?

भाजपा राजनीतिक रूप से मेरा मुकाबला नहीं कर सकती, न ही मुझे हरा सकती है। चुनाव आयोग अब निष्पक्ष संस्था नहीं रहा, यह बीजेपी कमीशन बन गया है। क्या भाजपा शासित राज्यों में SIR कराना यह स्वीकार करना है कि वहां घुसपैठिए मौजूद हैं? SIR के बाद जब मतदाता सूची का ड्राफ्ट आएगा, तब लोगों को पता चलेगा कि चुनाव आयोग और भाजपा ने मिलकर कितनी बड़ी आपदा पैदा की है। अगर SIR दो-तीन साल में किया जाए तो हम हर संभव संसाधन देकर इसका समर्थन करेंगे।

खेल

भारत के सामने 549 रन का लक्ष्य, क्या 21वीं सदी में दूसरी बार रचेगा इतिहास? या होगा 2004 जैसा हश्र

गुवाहाटी, (एजेंसी) गुवाहाटी टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका ने भारत के सामने 549 रन का लक्ष्य रखा है। भारत के सामने टेस्ट क्रिकेट में दूसरी बार 500+ रन का लक्ष्य रखा है। इससे पहले यह मौका 2004 में नागपुर में आया था, जब ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सामने 543 रन का लक्ष्य रखा था। उस मुकाबले में भारत को 342 रन से हार मिली थी, जो आज भी टीम इंडिया की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी हार है। अब एक बार फिर वही स्थिति है और भारतीय टीम के सामने लक्ष्य बड़ा है, पिच चुनौतीपूर्ण है और इतिहास भारत के पक्ष में नहीं।

549 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 27 रन बना लिए हैं। जीत के लिए उसे अभी भी 522 रन बनाने हैं। बुधवार को 90 ओवर का खेल तय करेगा कि भारत मैच में वापसी कर सकता है या नहीं। हालांकि, आज तक कभी आखिरी दिन

इतना लक्ष्य किसी टीम ने हासिल नहीं किया है। भारत के सामने मैच को ड्रॉ कराने का विकल्प होगा। मैच को ड्रॉ कराने पर भी भारत दो टेस्ट मैचों की यह सीरीज हार जाएगा, क्योंकि कोलकाता टेस्ट दक्षिण अफ्रीका ने जीता था। ऐसे में भारत के सामने जीत ही इस सीरीज को बचाने का एकमात्र विकल्प है। क्या भारत असंभव सी कहानी लिख पाएगा? यह तो कल 90 का खेल ही बताएगा।

टेस्ट इतिहास में केवल एक बार ही किसी टीम ने मैच के पांचवें दिन 400 से अधिक रन बनाए। 1948 में हेडिंग्ले में ऑस्ट्रेलिया (ब्रैडमैन की अजेय टीम) ने इंग्लैंड के विरुद्ध 404/3 का स्कोर बनाया था, जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 400 से अधिक रनों का पीछा करने का पहला सफल प्रयास था। हालांकि, भारत के सामने लक्ष्य इससे भी ज्यादा है। भारत को दूसरी पारी में दो झटके केएल राहुल (6) और यशस्वी जायसवाल (13) के रूप में लगे। फिलहाल कुलदीप यादव और साई सुदर्शन नाबाद हैं।

21वीं सदी में सिर्फ एक बार बचाया है ऐसा मैच

भारत ने 21वीं सदी में चौथी पारी में 100+ ओवर सिर्फ एक बार बल्लेबाजी की है और वह भी सिडनी 2021 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ। उस ऐतिहासिक मुकाबले में भारत ने 131 ओवर बैटिंग की थी और मैच ड्रॉ कराया था। यह वही मैच है, जहां ऋषभ पंत, अश्विन-हनुमा और पुजारा ने जज्बा दिखाया था। इसलिए यह करिश्मा नामुमकिन नहीं, पर आसान भी नहीं। क्योंकि भारत के पास पुजारा और हनुमा जैसा धैर्य से खेलने वाला बल्लेबाज नहीं है। चौथे दिन अपनी दूसरी पारी में भारत ने 15.5 ओवर बल्लेबाजी कर ली है और पांचवें उसे 90 ओवर खेलना होगा। यानी 95.5 ओवर। भारत पहले भी घर पर कई बार चौथी पारी में इतने ओवर बल्लेबाजी कर चुका है। 2008 में तो टीम को जीत भी मिली थी।

सिनेमा

मुंबई कोर्ट पहुंचीं सेलिना जेटली, पति पर लगाया घरेलू हिंसा और क्रूरता का आरोप; अदालत से की ये मांगें

बॉलीवुड एक्ट्रेस सेलिना जेटली मुंबई की एक अदालत पहुंची हैं। उन्होंने अपने पति पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि उन्हें उनके पति पीटर हाग से इमोशनल, फिजिकल, सेक्सुअल और वर्बल अब्यूज का सामना करना पड़ा है। जेटली की अर्जी मंगलवार को अदालत में सुनवाई के लिए सामने आई। अदालत ने पीटर हाग को नोटिस जारी किया। इस मामले की सुनवाई 12 दिसंबर के लिए तय की। जेटली ने एक लॉ फर्म के जरिए याचिका दाखिल की। उन्होंने अपनी याचिका में पीटर हाग पर डोमेस्टिक वायलेंस एक्ट के प्रावधान के तहत घरेलू हिंसा और क्रूरता का आरोप लगाया। 47 साल की एक्ट्रेस ने दावा किया कि उनके पति ने उन्हें शारीरिक और मानसिक तौर से प्रताड़ित किया। इसकी वजह से उन्हें ऑस्ट्रिया में अपना घर छोड़कर भारत वापस आना पड़ा। पूर्व मिस इंडिया ने याचिका में आरोप लगाया कि शादी के बाद उनके पति ने उन्हें काम करने से रोक दिया। इस कपल ने सितंबर 2010 में शादी की और उनके तीन बच्चे हैं। याचिका में कहा गया, 'पीटर हाग अपने आप में रहने वाले इंसान हैं। वह गुस्सैल स्वभाव के हैं और उन्हें शराब पीने की आदत है। इससे सेलिना जेटली को तनाव होता रहा है।'

Highlights

1. 50% Indian states/UTs exceed 48-hour workweek limit
2. CM Mamata Banerjee claims 35 people died due to EC's SIR in Bengal
3. For 1st time, Army honours heroes of Operation Pawan
4. What was Operation Pawan in which Indian Army lost 1,171 soldiers?
5. Bihar's new cabinet holds 1st meet after polls, unveils job plan

Meta said in talks to use Google Tensor AI chips in fresh headache for Nvidia

NEW DEIHI, (Agency). Meta Platforms Inc. is reportedly in talks to spend billions on Google's Tensor AI chips, which are powering its industry-benchmark Gemini 3 model. Nvidia Corp. shares plunged even as Alphabet Inc.'s shares surged on the news.

The parent company of Facebook, Instagram and WhatsApp is in discussions to use Google's tensor processing units in AI data centres in 2027, The Information reported, citing sources. Meta may also rent chips from Google Cloud next year.

A deal here would help establish Google Tensor as an alternative to Nvidia's chips—currently the gold standard to run AI computing power. Google already supplies up to 1 million Tensor chips to Anthropic PBC, in what has been called a "really powerful validaton" for TPUs.

"A lot of people were already thinking about it (TPUs), and a lot more people are probably thinking about it now," Seaport analyst Jay Goldberg had said.

Google Tensor vs Nvidia AI chips

The tensor chip, first developed more than 10 years ago for AI tasks, is gaining momentum outside Google amid worries of an over-reliance on AI chips made by Nvidia even as Advanced Micro Devices Inc. (AMD) remains a distant rival.

Nvidia's Blackwell is essentially a graphics processing unit (GPU), which until the last decade formed the "brain" of video games. It turned out to be well-suited for training AI models because they can handle large amounts of data and computations.

Google's TPUs are a type of specialised product known as "application-specific integrated circuits", or microchips that were designed for a sold purpose — AI compute.

The tensor chips were so far powering only Google's AI models Gemini. That they are highly customisable—Tensor powers Google's Pixel phones as well—has worked to the advantage of the search giant.

Adani's Kutch Copper smelter in Gujarat caught up in global ore shortage

NEW DEIHI, (Agency). Billionaire Gautam Adani's $1.2 billion copper smelter in Gujarat is receiving only a fraction of the ore required to operate the 500,000-ton-a-year plant at full capacity, as a global supply squeeze tightens.

Kutch Copper Ltd., which began processing metal in June after multiple delays, has brought in less than a 10th of the raw material required, according to the customs data. In the 10 months to October, it imported about 147,000 tons of copper concentrate. Competitor Hindalco Industries Ltd. bought a little over 1 million tons during the same period, according to

Bloomberg data.

The smelter requires about 1.6 million tons of concentrate to function at full strength, Bloomberg News reported earlier.

Questions sent to the Adani group did not elicit a response.

The copper ore shortage - A global challenge

Supply for copper smelters has been hit by a wave of mine disruptions this year, including at major producers like Freeport-McMoRan Inc., Hudbay Minerals Inc., Ivanhoe Mines Ltd., and Chile's state-owned giant Codelco. Adding to that squeeze, China's relentless expansion of its own smelting capacity has battered profit margins and pushed some producers outside the country to cut output or shut down.

शादी से पहले की जांच हो या किसी कोर्ट केस से संबंधित सबूतों की जरूरत....

व्यक्तिगत-व्यापारिक जीवन में कोई शंका या सबूत की जरूरत.....

कहीं किसी के द्वारा धोखा या छल तो नहीं किया जा रहा...

जांचिए ! परखिये !!

ऐसे सारी परिस्थितियों के लिए

"डिटेक्टिव" को अपना मित्र बनाए ...

गोपनीयता और विश्वनीयता के साथ जांच करवाएं.....तब निर्णय करें।

समाज में जागरुकता फैलाये।

FOLLOW US

DETECTIVE GROUP

Detecting the truth.

091110 50101 | www.detectivegroup.in | www.detectivesgroup.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक